Topic —

Studies of Job Satisfaction

(कार्य संतुष्टि के सम्बन्ध में कुछ महत्वपूर्ण अध्ययन)

Dr. Kumari Sadhana Prasad
Associat Prof.
Dept. of Psychology

21/6
21/8

कार्य संतुष्टि से सम्बन्धित कुछ महत्त्वपूर्ण अध्ययन (Studies of Job Satisfaction)

औद्योगिक मनोवैज्ञानिक Vroom (1964) ने स्वयं एक सर्वेक्षण (Survey) कर सात निम्नलिखित मनोवृत्ति आयामों (Attitude-dimensions) का पता लगाया जो महत्त्वपूर्ण हैं:—

1. कंपनी तथा कंपनी-प्रबन्धक के पक्ष में मनोवृत्ति।
2. प्रोन्नति - अवसरों के पक्ष में मनोवृत्ति,
3. कार्य - विषय के पक्ष में मनोवृत्ति,
4. पर्यवेक्षण के पक्ष में मनोवृत्ति,
5. आर्थिक पुरस्कार के पक्ष में मनोवृत्ति,
6. कार्य - अवस्थाओं ~~की ओर~~ के पक्ष में मनोवृत्ति
7. ~~सहकर्मियों~~ सहकर्मियों के पक्ष में मनोवृत्ति।

कार्य-संतुष्टि को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों में प्रत्येक की आपेक्षित महत्ता क्या है? यह भी एक महत्त्वपूर्ण समस्या है। Herzberg (हर्जबर्ग), Mausner (मॉसनर), Peterson (पीटरसन) and Capwell (कैपवेल) (1957) ने लगभग 11 हजार कर्मचारियों पर किए गए सोलह विभिन्न अध्ययनों तथा अध्ययन - परिणामों का विश्लेषण कर यह व्यक्त किया कि किस प्रकार कर्मचारी के लिए कार्य-संतुष्टि के लिए विभिन्न कारकों को उनके महत्त्व के अनुसार कोटिबद्ध (Ranking) किया जा सकता है —

1. सुरक्षा
2. अभिरुचि (व्यवसाय के आंतरिक पहलुओं में)
3. प्रोन्नति के अवसर
4. प्रशंसा (पर्यवेक्षक से)
5. कम्पनी और प्रबंधक से प्रसन्नता
6. काम के आन्तरिक पक्ष या पहलू (आराम को छोड़कर)
7. पारिश्रमिक
8. पर्यवेक्षण (Supervision)
9. काम का सामाजिक पहलू
10. काम का भौतिक वातावरण (काम के घण्टे को छोड़कर)
11. संचार व्यवस्था (Communication Sistem),
12. काम के घण्टे,
13. आराम (काम के आंतरिक पक्ष) तथा
14. लाभ (बोनस या शेयर आदि के रूप में)

Hulin तथा Smith (1964) के अध्ययन के अनुसार कार्य संतुष्टि पर यौन परिवर्त्यों (sex variables) का भी प्रभाव पड़ता है। उन्होंने यह पाया कि एक ही कारखाने के महिला कार्यकर्त्ताओं की अपेक्षा पुरुष कार्य कर्त्ताओं में अपेक्षाकृत कार्य-संतुष्टि का अधिक अनुभव होता है।